लोकप्रियसाहित्यग्रन्थमाला–97

आजकल का संस्कृत साहित्य

प्रधान सम्पादक

प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री

कुलपति

लेखक

डॉ. अजय कुमार मिश्रः

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम्

मानितविश्वविद्यालयः, नवदेहली

विषय सूची

कुलपति : निवेदन iii-iv

लेखक : प्ररोचना v-vii

(क) परख : 1-96

1. समकालीन साहित्य विमर्श
2. एक ओझल साझा साहित्य
3. *रामायण* और *महाभारत* का भारतीय चिंतन
4. स्वाधीनता संग्राम और संस्कृत पत्रिकाएँ
5. संस्कृत और ऑपनिवेशिक मिथक
6. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की स्वर्ण जयन्ती और संस्कृत लेखन
7. दृक् पत्रिका का लालित्य

(ख) उपन्यास : 97-133

8. संस्कृत उपन्यास की रचनाधर्मिता
9. उपन्यास परंपरा की एक सार्थक खोज

(ग) नाटक : 135-156

10. संस्कृत भाषा का आधुनिक नाट्य साहित्य
11. *नाट्यनवग्रह* की समकालीनता
12. *गांधिविजय* और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

1.

समकालीन साहित्य विमर्श

भारतीय साहित्य में *प्लेगेरिज़्म* या पिष्टपेशन के मोटापे का बाज़ार गर्म हो तो प्रस्तुत समीक्ष्य कृशकाय पुस्तक *साहित्य और स्वतन्त्रता प्रश्न-प्रतिशत* (देवेन्द्र इस्सर) भी सरसरी तौर पर पाठक मानस पटल से ओझल हो सकती है। लेकिन इस स्वतंत्र समीक्षा ग्रंथ के विषय में ऐसा मान बैठना भारी भूल हो सकती है क्योंकि इसमें पाठक और समीक्षक आलमगीर अदब के फ़लसफ़े के नाना सिद्धांतों, वादों तथा प्रतिवादों का समन्वय प्रस्तुत की गयी है। ग़ौरतलव है कि हिंदी भाषा में ऐसी ठोस तथा सारगर्भित ताबीरें बहुत ही कम पढ़ने को प्रकाश में आ सकीं हैं।

आफ़ाक़ी अदबीयात के विविध विधाओं के जानकार और साहित्यकार तथा मुबस्सिर देवेन्द्र इस्सर ने अपनी उपर्युक्त समीक्ष्य पुस्तक के पाँचवें बाब में *शोर का साहित्य और साहित्य की सरगम* उन्वान के अन्तर्गत बज़ारू तथा कालजयी तख़लीक़ में फ़र्क करते लिखा है- *साहित्य की सरगम में मनुष्य की विषमावस्था और नैतिक द्विविधा का तात्त्विक महत्त्व है जबकि शोर के साहित्य में बाह्य जगत के सरोकारों और उनसे उत्पन्न टकरावों को मूल विषय का दर्ज़ा प्राप्त है। वास्तव में शोर के साहित्य की मूल समस्या सत्ता का हस्तांतरण है जबकि रचनात्मक साहित्य के केन्द्र में मूल्यागत चिन्ताएँ हैं।* (पृ.169)। यहाँ अंदाज़ा लगाना कोई ग़लती नहीं होगी कि आज के *पब्लिक* दानिशवर साहित्य को इनसे जुड़े नये नये सिद्धांतों को अपना उल्लू सीधा करने के लिए बतौर हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं जिनमें

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

(भारतशासन-मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयाधीनः,
राष्ट्रियमूल्याङ्कन-प्रत्यायनपरिषदा 'ए'-श्रेण्या प्रत्यायितः मानितविश्वविद्यालयः)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नवदेहली-110058

दूरभाष : 011-28524993, 28521994, 28520977

website : www.sanskrit.nic.in